## Inhalt

|     | Vorwort                             |   | • | 5   |
|-----|-------------------------------------|---|---|-----|
| I   | I Der Ernstfall                     |   |   |     |
|     | 1. Biblisches Fundament             |   |   | 8   |
|     | 2. Der Ernstfall als Form           |   |   | 14  |
|     | 3. Die Einsamkeit des Todes und die |   |   |     |
|     | Sendung                             |   |   | 22  |
|     | 4. Am Ursprung der Kirche           |   | • | 29  |
|     | 5. Mysterium der Herrlichkeit       | ٠ | ٠ | 39  |
| 77  | I Das System und die Alternative    |   |   |     |
| 1.1 | •                                   |   |   | . 0 |
|     | 1. Die Thesen des Systems           |   |   |     |
|     | 2. Implikationen des Systems        |   |   |     |
|     | 3. Alternative                      | • | • | 57  |
| Ш   | I Die Suspension des Ernstfalls     |   |   |     |
|     | 1. Halbierung des Mysteriums        |   |   | 64  |
|     | 2. Der Aufschub                     |   |   | 74  |
|     | 3. Die Identifikation               |   |   | 84  |
|     | 4. Der Futurismus                   |   |   |     |
|     | 5. Wir anonymen Atheisten und unser |   |   | •   |
|     | Dialog                              |   |   | 102 |
|     | 6. Wenn das Salz dumm wird          |   |   |     |
| ΙV  | Cordula                             |   | ٠ | 113 |
|     | Nachwort                            |   | ٠ | 121 |